



(1) प्रथम पंक्ति [Column] इस पंक्ति में व्यवसाय क्षेत्र द्वारा  
 किये गये भुगतान दशांगे गये हैं जिन में उपभोग क्षेत्र  
 का 830 करोड़ रुपये की राशि प्रयुक्त तथा बेतन आदि के  
 रूप में किया गया है। सरकार की ही 36 करोड़ रुपये का  
 भुगतान करों के रूप में किया गया है। 28 करोड़ रुपये  
 करों के पूंजी खर्च में कंपनी कर (अभिहित) के  
 अन्तर्गत है। 28 करोड़ रुपये विदेशी वस्तुओं तथा  
 सेवाओं के आयात के लिए है।

(2) द्वितीय पंक्ति [Column] - इसमें वस्तु क्षेत्र द्वारा किये गये  
 भुगतानों की दशांगे गये हैं। इसमें 657 करोड़ रुपये  
 व्यवसाय क्षेत्र की वतीसे गयी वस्तुओं तथा सेवाओं  
 का भुगतान है। सरकार की 215 करोड़ रुपये और के रूप में  
 एवं बीमा कितनी के रूप में चुकाये गये हैं। 45 करोड़ रुपये  
 उपभोग क्षेत्र द्वारा करों के रूप में विनियोग क्षेत्र में लगे  
 गये हैं और 18 करोड़ रुपये विदेशी प्रतिभूतियों में तथा  
 विदेशों में शिक्षा, यात्रा आदि पर व्यय है।

(3) तृतीय पंक्ति [Column] तृतीय पंक्ति अन्तर्गत क्षेत्र के बाह्य  
 प्रवाहों की दशांगे है। सरकार वस्तुओं तथा सेवाओं की  
 वतीसे के लिए व्यवसाय क्षेत्र की 90 करोड़ का भुगतान  
 करी है, आर्थिक प्रवृत्तियों पर शुद्ध व्यय, भुगतानों में  
 तथा पेंशन, गैरपुत्री आदि के लिए अंतर्गत भुगतान के  
 रूप में 18 करोड़ रुपये विदेशों की समस्त प्राप्त वस्तुओं  
 तथा सेवाओं के कर्तव्य भुगतान किये जाते हैं। अतिरिक्त  
 18 करोड़ के अन्तर्गत इन व्ययों की भी अन्तिम विवरण दिया  
 जाता है जो विदेशों में दुर्गवासी के रज. रज. और  
 विदेशों की भेजे जाने वाले शिप्ट मंडलों पर व्यय  
 किया जाता है।

शेष भाग